बैंक में खाता नहीं है , मगर बन गयी करोडपति

Written by संजय मुक्तेश
Monday, 22 November 2010 16:40

कौन बनेगा करोडपति में बाजी मार ले गयी बिंदास तस्लीम

KAUN BANEGA
CROREPATI

KAUN BANEGA
CROREPATI
KAUN BANEGA
Idea

झारखंड के गिरिडीह की रहने वाली है राहत तस्लीम

कोच्चि में पति के साथ जीवन संघर्ष में जुटी हैं राहत

सिलाईकढाई कर दोतीन हजार महीना कमा लेती हैं राहत

यह हमारी महिलाओं की मजबूती की प्रतीक है अमिताभ बच्चन

1 / 2

Written by संजय मुक्‍तेश
Monday, 22 November 2010 16:40

जरा सोचि□ ऐसी महिला के बारे में जो रातोंरात करोडपति बन गयी□ लेकिन बात महज इतनी ही नहीं है□ खासबात तो यह है कि करोडपति बनने वाली इस महिला का आज तक कभी किसी भी बैंक में कोई खाता ही नहीं रहा है है ना लाजवाब बात□ बहरहाल, अमिताभ बच्चान के अनुसार यह महिला समाज में महिला सशक्तिकरण की □क जीती जागती मिसाल बन गयी है।

झारखण्ड की राहत तस्लीनम को तो इस बात का इलहाम ही नहीं था कि वह कभी अमिताभ बच्चगन के आमने सामने खडी होगी और इतना ही नहीं, बल्कि □क ऐसी मोटी रकम जीत जा□गी जिसकी कल्प ना तक उसने कभी नहीं की थी□ लेकिन उसकी यह अकल्पननीय बात आखिरकार साकार हो ही गयी और वह थोडा बहुत नहीं, बल्कि □क करोड जैसी □क भारी भरकम रकम की मालकिन भी बन गयी□ हालांकि राहत तस्लीथम को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसके आत्म□विश्वासस ने सबसे ज्योदा सहायता की□ राहत तस्ली□म की इस हैसियत के कायल तो खुद महानायक अमिताभ बच्चकन भी हो गये□

मालामाल बनाने वाले टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में पहली बार □क ऐसी महिला करोड़पति बनी है, जिसने जिंदगी भर किसी बैंक में खाता नहीं खोला□ यह है, झारखंड के गिरीडीह की राहत तस्लीम□ कार्यक्रम के प्रस्तोता अमिताभ बच्चन ने तस्लीम का यह राज अपने ब्लॉग में खोला है□ वह शो के चौथे संस्करण में करोड़ रुपये जीतने वाली पहली प्रतिभागी हैं□ बिग बी ने लिखा है, वह अब भी सामाजिक और परंपरागत तकाजे के चलते पर्दे में रहती है□ बकौल अमिताभ, वह साधारण महिला हैं, जो घर में सिलाई का काम करके घर चलाने के लि□ महीने के 2000-3000 रुपये कमाती हैं□ अपनी सीमित कमाई के चलते उन्होंने जीवन में कभी बैंक खाता नहीं खोला□ कभी लाख रुप□ नहीं देखे और कभी नहीं सोचा कि वह □क दिन हॉट सीट तक पहुंचेंगी, लेकिन उन्होंने ऐसा कर दिखाया□

अमिताभ ने लिखा है, उनके पति कोच्चि (केरल) में रह कर काम करते हैं□ राहत ने अपने स्तर पर केबीसी के लि□ आवेदन किया□ जब चयन प्रक्रिया शुरू हुई, तो खुद बस, ट्रेन और संभवत: शायद पहली बार हवाईजहाज में बैठ कर मुंबई आईं□ अमिताभ के मुताबिक, राहत बिल्कुल मंजे हु□ खिलाड़ी की तरह खेलीं, 50 लाख रुप□ तक के लगभग सभी सवालों के जवाब वह जानतीं थीं और उसके बाद उन्होंने करोड़ रुपये का सवाल भी बूझ डाला□ उनके चेहरे पर कहीं चिंता की लकीरें नहीं आईं□ पूरे आत्मविश्वास से उन्होंने खेला□ अमिताभ ने लिखा है, वह हमारे देश की महिलाओं के लि□ अद्भुत पल था, जो दिखा सकती हैं, कि आप उन्हें मौका दीजि□, जिसमें वह दिखा देंगी कि उनमें आसमान में रोशन होने की काबिलियत है